

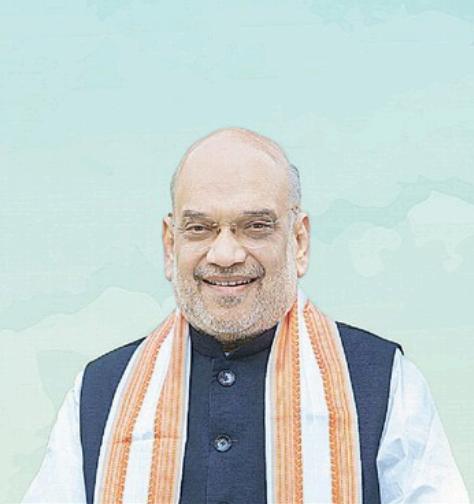


IFFCO
पूर्णतः सहकारी समिति
Wholly owned by Cooperatives

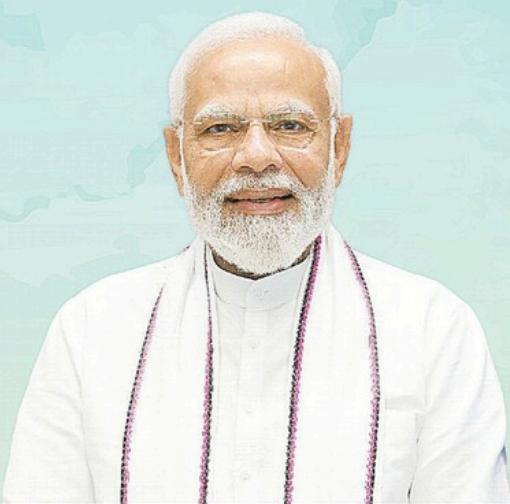
COOP International Cooperative Alliance

"सहकार से समृद्धि" का उत्सव

ICA GLOBAL COOPERATIVE CONFERENCE
COOPERATIVES BUILD PROSPERITY FOR ALL



श्री अमित शाह
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार



श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत



महामहिम दाशो शेरिंग टोबगे
माननीय प्रधानमंत्री, भूटान



महामहिम मनोआ कामिकामिका
माननीय उप प्रधानमंत्री, फिजी

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

द्वारा

आई सी ए अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मलेन 2024

का
उद्घाटन

एवं

संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025

की घोषणा

गरिमामयी उपस्थिति

महामहिम दाशो शेरिंग टोबगे

महामहिम मनोआ कामिकामिका

माननीय उप प्रधानमंत्री, फिजी

माननीय प्रधानमंत्री, भूटान

श्री अमित शाह

माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

25 नवंबर, 2024 | दोपहर 3:00 बजे | भारत मण्डपम, नई दिल्ली

25 सत्र » 200 वर्क्ष » 100 देश » 3000 प्रतिनिधि » 5 दिन

प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास, सामाजिक समानता, समृद्धि और सतत विकास को बढ़ावा देना



पैक्स के लिए आदर्श कानून उन्हें बहुउद्दीय, बहुआयामी संस्थाएँ बनाते हैं



सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी विकेन्ड्रीकृत अनाज भंडारण योजना



अछूती पंचायतों में नई बहुउद्दीय सहकारी समितियों की स्थापना



प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों (पैक्स) को आर्थिक रूप से जीवंत और पारदर्शी बनाना



कम्प्यूटरीकरण और दार्शीय सहकारी डेटाबेस के निर्माण के माध्यम से पैक्स को मजबूत करना



गांवों में ई-सेवाओं तक बेवत पहुंच के लिए सामाज्य सेवा केंद्र (सीएससी) के रूप में पैक्स



ग्रामीण स्तर पर जेनेटिक दवाओं की पहुंच में सुधार के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के रूप में पैक्स



पैक्स द्वारा नए किसान उत्पादक संगठनों (एफ पी ओ) का गठन



प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) के रूप में पैक्स



शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना



दुनिया का पहला नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का आविष्कार



सहकारी चीनी मिलों का पुनरुद्धार



यूनियन वलब में सुफियाना ब्रदर्स ने बिख्वेरा संगीत का जादू

मनमोहक

धनबाद, संवाददाता। यूनियन वलब में रविवार की रात सुफियाना रही। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में बैड सुफियाना ब्रदर्स ने अपनी सुरोली आवाज और मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुख कर दिया। साथ ही सुफियाना गीतों ने सभी को आधारात्मिकता और सुरों की गहराई का अनुभव कराया। दर्शकों ने तालियों और उत्साह से हर प्रत्युति का स्वागत किया।

कार्यक्रम में कोलाकाता और मुंबई से सुफियाना की टीम थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यकारी अध्यक्ष अजीत गुटुटिया के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफल बनाया।



यूनियन वलब में रविवार को आयोगित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती कालाकार। (बाएं) यूनियन वलब में रविवार को आयोगित कार्यक्रम में कला दिखाती कालाकार।

कार्यक्रम में चरणप्रीत सिंह, राहुल नारंग, नरेंद्र शर्मा, मनीष अग्रवाल,

बिनोद सिन्हा, जयदीप मुखर्जी और मनोज भोजगरिया की महत्वपूर्ण

भूमिका रही। लोगों ने बताया कि सूफी नाइट कार्यक्रम की तैयारी कई

दिनों से चल रही थी। कलब का अगला कार्यक्रम 31 दिसंबर को

होगा। इसकी तैयारी में कलब के कई सदस्य जुटे हैं।

ब्लास्टिंग को लेकर हंगामा, ग्रामीणों व बीसीसीएल प्रबंधन में नोकझोंक

मंडल केंद्रुआडीह के गांववालों पर बीसीसीएल प्रबंधन ने लगाया पथराव का आरोप

बरोरा, प्रतिनिधि। एसपी कोलियरी की डेको आउटर्सेसिंग परियोजना में रविवार की शाम ब्लास्टिंग को लेकर सीआईएसएफ की गौदूरी में मंडल केंद्रुआडीह के ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों की ओर से बारूद गाड़ी पर पथरबाजी की भी सूचना है। बरोरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर महिलों से जांच कराया। घटना के बाद ब्लास्टिंग कार्य बाधित है। मिली जानकारी के अनुसार मंडल केंद्रुआडीह के समीक्षा स्थित डेको आउटर्सेसिंग से बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों की ओर से बारूद गाड़ी पर पथरबाजी की भी सूचना है। बरोरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर रविवार की शाम ब्लास्टिंग को लेकर सीआईएसएफ की गौदूरी में मंडल केंद्रुआडीह के ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों की ओर से बारूद गाड़ी पर पथरबाजी की भी सूचना है। बरोरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर रविवार की शाम ब्लास्टिंग को लेकर सीआईएसएफ की गौदूरी में मंडल केंद्रुआडीह के ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों की ओर से बारूद गाड़ी पर पथरबाजी की भी सूचना है। बरोरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर रविवार की शाम ब्लास्टिंग को लेकर सीआईएसएफ की गौदूरी में मंडल केंद्रुआडीह के ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों की ओर से बारूद गाड़ी पर पथरबाजी की भी सूचना है। बरोरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर रविवार की शाम ब्लास्टिंग को लेकर सीआईएसएफ की गौदूरी में मंडल केंद्रुआडीह के ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों की ओर से बारूद गाड़ी पर पथरबाजी की भी सूचना है। बरोरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर रविवार की शाम ब्लास्टिंग को लेकर सीआईएसएफ की गौदूरी में मंडल केंद्रुआडीह के ग्रामीणों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान महिला सीआईएसएफ की लाठी से नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।



डेको परियोजना में ब्लास्टिंग का विरोध करती ग्रामीण महिलाएं। (बाएं) घायल नसीमा खातून।



डेको परियोजना में ब्लास्टिंग का विरोध करती ग्रामीण महिला।

ग्रामीण महिलाएं ब्लास्टिंग का विरोध कर रही थीं: पीओ

एसपी कोलियरी की डेको आउटर्सेसिंग परियोजना में ब्लास्टिंग से बींगे गांव वाले आरोप-सीआईएसएफ ने एक महिला को किया जर्जी

■ एसपी कोलियरी की डेको आउटर्सेसिंग परियोजना में ब्लास्टिंग से बींगे गांव वाले

■ आरोप-सीआईएसएफ ने एक महिला को किया जर्जी

की दूरी पर ब्लास्टिंग करने की तैयारी कर रहा था, जिसका विरोध करने पर प्रबंधन ने बहलालों पर हल्का लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें नसीमा खातून के हाथ में चोट लग गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रबंधन डीजीएमएस के नियम को ताक पर रखकर गांव से महज 50-60 मीटर

की दूरी पर ब्लास्टिंग करने की तैयारी कर रहा था, जिसका विरोध करने पर प्रबंधन ने हल्कीलों पर सीआईएसएफ से लाठीचार्ज करने के अनुसार ग्रामीणों के बीचों-बीच एक पुराना जर्जर पानी की टक्की है। उसके अगले-बगल 30-40 घर हैं। हैंकी ब्लास्टिंग होने से बोरोरा घायल नसीमा खातून नामक महिला घायल हो गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रबंधन डीजीएमएस के नियम को ताक पर रखकर गांव से महज 50-60 मीटर

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह पर निकाली रैली

जागरूकता

धनबाद, वीरय संवाददाता। मारवाड़ी महिलाएं निकाली लिखी तख्ती लेकर रेली निकाली मारवाड़ी महिला समिति की सदस्य।

स्लोगन लिखी तख्ती लेकर रेली निकाली मारवाड़ी महिला समिति की सदस्य।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह पर निकाली लिखी तख्ती लेकर रेली निकाली मारवाड़ी महिला समिति की सदस्य।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

जागरूकता देते हुए समिति की जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत रेली निकाली लिखी तख्ती लेकर रेली निकाली मारवाड़ी महिला समिति की सदस्य।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

जागरूकता देते हुए समिति की जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत रेली निकाली लिखी तख्ती लेकर रेली निकाली मारवाड़ी महिला समिति की सदस्य।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।

त्वचा दान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ही त्वचा दान जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है।



सोमवार

25 नवंबर 2024, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, दशांशी, विक्रम सम्वत् 2081, धनबाद

नगर संकाशण, तर्फ 14, अंक 274, 16 पेज, गृह्य ₹ 5.00

• पांच प्रदेश • 24 संकाशण

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

विराट कोहली टेस्ट में
30वां शतक जड़ने के
साथ डॉन ब्रैडमैन से
आगे निकल गए हैं



कोर्ट के आदेश पर पहुंची टीम पर उपद्रवियों ने किया पथराव
संभल में मरिजद के सर्वेपरबवाल, 4 मरे

संभल (उत्तरप्रदेश), कार्यालय संवाददाता। शाही जामा मस्जिद में रविवार को सर्वे के दौरान बवाल हो गया। अदालत के बाहर दूसरी बार सर्वे करने वाली कोट कमिशनर की टीम को देखते ही लोग उग्र हो गए। सुबह पैने नी बजे उपद्रवियों ने पहले जामा मरिजद के बाहर, फिर नवाजसा इलाके में पुलिस पर जमकर पथराव किया। उपद्रव के दौरान चार युवकों की मौत हो गई। उपद्रवियों ने करीब एक दर्जन वाहन फूंक डाले। फारवरिंग भी की गई।

हिंसा के दौरान एकों के पीछाओं, सीओ और कोतवाल समेत दर्जन भर पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने भीड़ को समझाने की पर हालात बेकाबू हो गए। स्थिति पर कानून पाने के लिए पहले असू गैस के गोले छोड़ और फिर लाठीचार्ज किया। कई राँड़ और फारवरिंग भी की। पुलिस ने दो महिलाओं समेत 15 लोगों को हिंसात करने के बीच सर्वे टीम को सुरक्षित निकाला। सर्वे के लिए कोट कमिशनर रमेश रावत, वादी अधिकारी विष्णु शक्तर जैन, डीएम डॉ. राजेन्द्र पौसवा, एसपी कृष्ण विश्नोई पुलिस बल के साथ गए थे।

सर्वे आदेश के बाद से ही पनप रहा था गृह्यस्त: शाही जामा मस्जिद पर हालात बेकाबू हो गया। अदालत ने कानून के लिए एक दर्जन वाहन फूंक डाले। फारवरिंग भी की गई। कोट के आदेश पर सर्वे कराया जा रहा था। कुछ असामाजिक तत्वों ने साजिश के तहत पथराव किया है। पथराव करने वालों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। संभल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जामा मरिजद पर भीड़ काबू हुई तो नवाजसा में बिगड़े हालात

संभल। जामा मरिजद पर हालात काबू में आने के बाद नगर पालिका ने पथरों को समेटा। शुरू किया तो अचानक जुटी भीड़ ने न खाजा बीरहे पर हांगमा शुरू कर दिया। पुलिस के तेज उस पर पथराव शुरू कर दिया। वही लोगों ने आगजनी करने का प्रयास किया। कार्रवाई की। जिसके बाद भीके पर एसपी, डीआईजी ने भीड़ को नियन्त्रित किया। इसी दौरान कमिशनर आजनय कुमार भी पहुंच गए। बाद में हिंसा में घायल दो और लोगों की मौत हो गई।

—प्रशांत कुमार, डीआईजी

संभल की शाही जामा मरिजद में रविवार को कोट कमिशनर के नेतृत्व में किए जा रहे सर्वे के लिए उग्र प्रदर्शन करती भीड़। ● अम गैर सिंह

66 कोट के आदेश पर सर्वे कराया जा रहा था। कुछ असामाजिक तत्वों ने साजिश के तहत पथराव किया है। पथराव करने वालों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। संभल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

—प्रशांत कुमार, डीआईजी

संभल की शाही जामा मरिजद में रविवार को कोट कमिशनर के नेतृत्व में किए जा रहे सर्वे के लिए उग्र प्रदर्शन करती भीड़। ● अम गैर सिंह

जामा मरिजद पर भीड़ काबू हुई तो नवाजसा में बिगड़े हालात

संभल। जामा मरिजद पर हालात काबू में आने के बाद नगर पालिका ने पथरों को समेटा। शुरू किया तो अचानक जुटी भीड़ ने न खाजा बीरहे पर हांगमा शुरू कर दिया। पुलिस के तेज उस पर पथराव शुरू कर दिया। वही लोगों ने आगजनी करने का प्रयास किया। कार्रवाई की। जिसके बाद भीके पर एसपी, डीआईजी ने भीड़ को नियन्त्रित किया। इसी दौरान कमिशनर आजनय कुमार भी पहुंच गए। बाद में हिंसा में घायल दो और लोगों की मौत हो गई।

—देखें PH1

आईपीएल: सबसे महंगे खिलाड़ी बने ऋषभ पंत

जेहा (सउदी अरब), एजेंसी। भारत के विकासीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बने गए हैं। उन्हें लखनऊ सुपर क्रिकेटर्स ने रिविंग को मेंगा नीलामी में 27 करोड़ में खरीदा।

दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अच्युत बने। उन्होंने पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ में खरीदा।

तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अच्युत बने। उन्होंने पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ में खरीदा।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज अर्थात् पंजाब को पंजाब ने रेटटू मैच कार्ड का इस्तेमाल कर 18 करोड़ में खरीदा। सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरी बोली 18 करोड़ में लाइंग थी जिसे आटोटीप के जरिये पंजाब ने मैच किया। चैनी ने सुपर किंस ने दो करोड़ के आधार मूल्य पर नीलामी में सबसे पहले उत्तरे उत्तरे अर्थात् पंजाब पर पहली

27 करोड़ बोली लाइंग थी। रिकॉर्डधारी स्टार्क को आधे दाम मिले: अंटर्निलियाई गेंदबाज मिले रस्के के केंद्र आर ने पिछली बार रिकॉर्ड 24.75 करोड़ में खरीदा था। इस बार आधे से भी कम दाम (11.75 करोड़) में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने दस करोड़ रुपये में खरीदा।

बोली लाइंग थी। रिकॉर्डधारी स्टार्क को आधे दाम मिले: अंटर्निलियाई गेंदबाज मिले रस्के के केंद्र आर ने पिछली बार रिकॉर्ड 24.75 करोड़ में खरीदा था। इस बार आधे से भी कम दाम (11.75 करोड़) में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने 12.25 करोड़ में, दिल्ली कैपिटल्स में लिया। रोबिन कुशाग्र को बेस प्राइस 30 लाख, जबकि इशान को दो करोड़ था।

2 श्रेयस अच्युत दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी आईपीएल के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अच्युत बने। उन्होंने पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने पंजाब के बीच श्रेयस को खरीदने को लेकर काफ़ी समय तक हो रही रही।

3 वेंकटेश रहे तीसरे नंबर भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अच्युत ने नीलामी में कोलकाता नाइट राइटर्स ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा। वह तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने।

झारखंड में कल से गिरेगा पारा, सर्दी और सताएगी

रांची के इशान को 11.25 करोड़, रोबिन को 65 लाख

रांची, रांची की शाही जामा मरिजद में रविवार को कोट कमिशनर के नेतृत्व में किए जा रहे सर्वे के लिए उग्र प्रदर्शन करती भीड़। ● अम गैर सिंह

झारखंड में कल से गिरेगा पारा, सर्दी और सताएगी। रांची के इशान को 11.25 करोड़ की बड़ी बोली लगाकर लिया। झारखंड के तीन विकेटकीपर बल्लेबाजों को आईपीएल की टीमों में स्थान मिला। रांची खिलाड़ी उनका सिंह पर किसी ने बोली नहीं लगाई। रांची के रोबिन मिंग को मूँबई इंडियन्स ने और जमशेदपुर के कुमार कुशाग्र को गुजरात टाइट्स ने 6.5-6.5 लाख में लिया। रोबिन, कुशाग्र का बेस प्राइस 30 लाख, जबकि इशान का दो करोड़ था।

बटलर सबसे महंगे विदेशी दिल्ली आफ्रीकी गेंदबाज एंटर्निलियाई गेंदबाज को गुजरात टाइट्स ने 15 करोड़ 75 लाख में खरीदा। रोबिन संसार बैंगलुरु ने लियाम लियाम टॉपटॉन पर 8.75 करोड़ रुपये खर्च किये। लखनऊ ने दिक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविस मिलर को 7.5 करोड़ में खरीदा। ▶ वेंकटेश ने चौंकाया P12

से अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोपों और मणिपुर हिंसा पर संसद के दोनों संत्र में बहस करने की मांग की है। केंद्रीय संसदीय कार्यपालीकरण रीजीजूने कहा कि इस बारे में कांग्रेस ने संवित विवर करेगी।

कांग्रेस संसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि जिसका जानकारी नहीं दिया गया।

विषय के साथ संसद के टकराव से बढ़ सकता है। दलों के साथ बैठक: सोमवार से शुरू हो रहे संसद सत्र को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। सरकार ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। विषय के बाद दलों से सत्र को सुचारू रूप से चलाने की अपील मांग की है। विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है। विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है। विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है। विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।

विषय के तेवरों से साप्त करने की अपील की है।



श्रीराणी सती दादीजी को मंगसीर नवमी पर छपन भोग लगाते व जयकारा लगाते ब्रह्मातु।



दादी जी की पूजा करती ज्ञानीया विधायक राजिनी सिंह व अन्य।

छपन भोग के साथ दो दिवसीय मंगसीर नवमी महोत्सव हुआ समाप्त, कतरास में राणी सती दादी मंदिर में मंगल पाठ का आयोजन

सारेघर में डंका बाजे माँ राणी सती दादी जी का...

धर्मक्षेत्र

- ज्ञानीया विधायक राजिनी सिंह ने दादी जी के दरबार में टेका मथा
- दादी खोल दे दरबाजे मैं शुद्धार्तु आवागणा.....
पर दृश्ये श्रद्धालु

संध्या आरती के साथ स्थानीय कलाकारोंने दरबान की शुरुआत गणेश वंदना के साथ की। दादी भक्त देर रात तक भजनों की धारा में गोता लगाते रहे। जन सारे घर में डंका बाजे माँ राणी सती की..., दे दे थोड़ा धूम व दादी जी..., दादी खोल दे दरबाजे मैं शुद्धार्तु आवागणा... आदि जैसे भजनों पर श्रूति नाचते रहे। कार्यक्रम में अरुण द्वन्द्वनवाला, छेदालाल तुलस्यान, नथमल अग्रवाल, प्रकाश सुन्दरनवाला, सत्यनारायण भोगद्विया, अनिल खेमका, नरेश अग्रवाल, अनिल चौधरी, संदीप संवरिया, राहल अग्रवाल, संजय द्वन्द्वनवाला, गोपाल अग्रवाल अदि सदस्य सहित राणीसी महिला समिति के सदस्यों की सराहनीय योगदान रहा।

समाप्त के मौके पर ज्ञानीया की नव निर्वाचित विधायक राजिनी सिंह ने भजनों की पूजा अर्चना की। मंदिर केमटी व उपस्थित लोगों ने विधायक का स्वागत किया। दोपहर में विभिन्न प्रकार के फूल भालाओं से दादी जी की आलाइकिंग शुभ्रांत किया गया। जो भजनों मनमोह व आकर्षक लग रहा था। शाम की दादी जी की सामूहिक रूप से छपन भोग लगा कर भक्तों के प्रसाद वितरण किया गया।

पंचगढ़ी मंदिर में 108 सुहागिनों ने किया मंगल पाठ



श्रीशी राणी सती दादी मंदिर कतरास पंचगढ़ी बाजार में आयोजित मंगल पाठ में शामिल महिलाएं।

कतरास पंचगढ़ी बाजार निर्वाचित श्री श्री राणी सती दादी मंदिर में रविवार की भजनों के भौतिक प्रसाद वितरण द्वारा निर्देश दिया। इसके बाद भजनों की धारा में गोता लगाते रहे। जन सारे घर में डंका बाजे माँ राणी सती की..., दे दे थोड़ा धूम व दादी जी..., दादी खोल दे दरबाजे मैं शुद्धार्तु आवागणा... आदि जैसे भजनों पर श्रूति नाचते रहे। कार्यक्रम में अरुण द्वन्द्वनवाला, छेदालाल तुलस्यान, नथमल अग्रवाल, प्रकाश सुन्दरनवाला, सत्यनारायण भोगद्विया, अनिल खेमका, नरेश अग्रवाल, अनिल चौधरी, संदीप संवरिया, राहल अग्रवाल, संजय द्वन्द्वनवाला, गोपाल अग्रवाल अदि सदस्य सहित राणीसी महिला समिति के सदस्यों की सराहनीय योगदान रहा।

इंडिया ब्लॉक की प्रचंड जीत पर खरखरी में कांग्रेस समर्थकों ने अबीर लगाकर जश्न मनाया

कांग्रेस समर्थकों ने निकाला विजय जुलूस

उत्तराश

गणेश-बाजे के साथ निकाला गया विजय जुलूस

बिनोद बिहारी महोनी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

विजय जुलूस में जमकर की गई आतिशायी बाजी



रविवार को निकाले गए विजय जुलूस में शामिल कांग्रेस समर्थक।

बाधमारा, प्रतिनिधि। झारखंड चुनाव में इडिया गठबंधन की प्रचंड जीत के खुशी में रविवार को देर शाम खरखरी में कांग्रेस समर्थकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशी मनाई। युवा कांग्रेस नेता शेष गुड़ के खरखरी स्थित आवासीय कार्यालय से रविवार की ओर जागे और कांग्रेस के साथ विजय जुलूस निकाली गई, जो खरखरी बस्ती, सिनोडीह, महेशपुर, खरखरी बाजार होते हुए नावागढ़ मोड़ पहुंची। नवागढ़ मोड़ स्थित स्व. बिनोद बिहारी महोनी की अदाकरण प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कांग्रेसकांओं ने रंग, गुलाल उड़ाते हुए आतिशायी बाजी की। वहीं मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। मौके पर कांग्रेस नेता शेष बड़बू ने कहा कि राज्य में पुनर्वान्वयन कांग्रेस की सकार के लौटने पर लोगों में खुशी की लहर है। पांच वर्षों में हमने सोने द्वारा भर्तों के लिए कई लाभकारी योजनाओं सहित मईयां समाप्त योजना, बिजली बिल माफी से लोगों ने हेमत सरकार को दोबारा चुना है। मौके पर चंडी यात्री, ददार महतों, दीना साव, शंकर पासवान, सन्नी पासवान, गोडेन ट्रिवारी, शेष मीनां, शेष अफसर आदि थे।

ब्रेमो विधायक को मंत्री बनाने की मांग

पुटकी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक गोपनीय राज्यपाल शीर्षक वाली की अवधिकारी में हुई। बैठक में नेताओं ने अखिल भारतीय कांग्रेस कर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकाजुन खड़गे, नेता प्रतिष्ठान राहुल गांधी, झारखंड प्रदेश प्रभारी जनान गुरुमद भीर, प्रधान अध्यक्ष राजन गुरुमद भीर, प्रधान अध्यक्ष राजन गुरुमद भीर, मुख्यमंत्री हेमत सोरेन से मांगा है कि गर्होंके के नेता, युवाओं के छहें, महिलाओं व बुजुर्गों की आवाज बोरो विधायक कुमार जयमल उर्फ अनुप सिंह को मंत्री बनानी की मांग की। बैठक में संतोष योगी, यज विकाश वौहान, अनुप पासवान, विकाश कुमार, गोतम वौहान, सुशांत कुमार, भाला श्रीवास्तव, प्रेमद महतो, सुजीत मंडल उपरिथ थे।

लाल झंडाव हेमत सरकार के विरोध में संघर्ष होगा : दुलू



कांग्रेसकांओं से बातचीत करते सोसद।

पचेत। सोसद दूलू महतो रविवार को निरसा खड़ा। विधायक सोसद चुनाव में हारा के बाद निरसा कार्यकर्ताओं से मिलकर हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा, कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लाल झंडा एवं संघर्ष सरकार के विरोध में संघर्ष करेंगे। दोपहर को दुर्घारा जनने के क्रम में सोसद दूलू महतो निरसा सिनेमा हाल मोड़ पर रुके। जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। चुनाव में हुई हार को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। भविष्य में झंडा एवं हेमत सरकार के खिलाफ संघर्ष करने की बात कही। केपेर मधुसेंद्र गोस्वामी, वांची चक्रवर्ती, धीरज मिश्र, दीपा दास, तुलसी विश्वकर्मा, रेखा देवी, गोपाल अग्रवाल, सजल दास, विकेक मोदक, अरविंद यादव, दीन ठाकुर, दुख बाग, नुर राय, बबलू मंडल, गुडु चौहान आदि थे।

आसपास 30s

चंद्रदेव महतो हेमत व कल्पना से मिले

गोविंदपुर। सिद्धी के विधायक चंद्रदेव महतो रविवार की खुशी में मुख्यमंत्री हेमत सोरेन कल्पना सोसद से मूलाकात की। उन्होंने महागवंदेश की प्रचंड जीत पर मुख्यमंत्री व कल्पना के प्रति आभार जताया। उनके साथ ज्ञामुमों के जिला समान सवित्र एजेंज अहमद व ज्ञामुमो नेता मारिन अंसारी भी थे।

हरिणा में भाजपा ने निकाला विजय जुलूस

हरिणा, प्रतिनिधि। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को हरिणा में भाजपा प्रत्याशी शरुआत महतो की जीत की खुशी में विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस में सुनील राहन, उदय शंकर दूलू, अनिलदेव यादव, तेजू महतो, सुवीष गुरा, पंकज तिवारी, अंजीत राहनी, संजय राहनी, राजन महतो आदि थे।



हेमत सोरेन को बधाई देते रिजवान अखर।

रिजवान ने हेमत व कल्पना सोरेन को दी बधाई

रिजुआ। जैलेकप्पे के पूर्व नेता सह ज्ञामुमो नेता रिजवान अखर ने ईडिया गठबंधन की हुई समान जनन जीत पर हेमत सोसद व कल्पना सोसद से मिलकर विजय खड़ा। उन्होंने कहा, कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लाल झंडा एवं हेमत सरकार के खिलाफ संघर्ष करने की बात कही। केपेर मधुसेंद्र गोस्वामी, वांची चक्रवर्ती, धीरज मिश्र, दीपा दास, तुलसी विश्वकर्मा, रेखा देवी, गोपाल अग्रवाल, सजल दास, विकेक मोदक, अरविंद यादव, दीन ठाकुर, दुख बाग, नुर राय, बबलू मंडल, गुडु चौहान आदि थे।

कारोबारी चर्चा

कंज्यमर केवल इनिशिएटिव

आईएनए सोलर ने रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश के लिए 10000 करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किया

भारत की प्रतिष्ठित सोलर पैनल मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी इन्डोलेशन एनर्जी लिमिटेड (आईएनए सोलर) की साइबिंडीरी कंपनी इन्डोलेशन एनर्जी लिमिटेड ने राजियां राजस्थान अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी राजस्थान अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान प्रतीकात्मक रूप से मालिलों के खिलाफ हिंसा को मालिलों के मुद्रे से जोड़े।

रांची, बीरीय संवाददाता। रांची के चुटिया पटेल चौक में स्थित मां तारा हाटल में अपराधियों ने घुसकर दस हजार रुपए लूटा। इसके बाद कर्मियों को गाली-गलौज करते हुए मारी गयी।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफान आपार्टमेंट भीर जिले के लिए उत्तरांचल अंगूली-गोलीज करने के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा। यह अभियान अंगूली-गोलीज के लिए अग्रणी अधिकारी प्रचार-प्रसार होगा।

रांची के आग्रहक तारीफ

शब्दों की दुनिया

साल 2024 अब समापन की ओर बढ़ चला है और उसके साथ ही वार्षिक समीक्षाओं का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में कैम्बिज डिक्शनरी ने 'मेनिफेस्ट' को 'वर्ट ऑफ द ईवर' या वर्ष का शब्द का पहले अर्थ था - आसानी से देखा जाने वाला या स्पष्ट, पर इसका अब अर्थ बदलकर हो गया है - कल्पना करना कि आप क्या घटित होने देना चाहते हैं। मेनिफेस्ट शब्द को वर्ष का शब्द इसलिए चुना गया है, क्योंकि साल 2024 में इस शब्द को कैम्बिज डिक्शनरी पर सर्वाधिक 1,30,000 बार खोजा गया है। मेनिफेस्ट शब्द की यात्रा गैर करने लायक है, इससे पता चलता है कि भाषा या शब्दों की दुनिया में समय के साथ बदलाव की प्रक्रिया चलती रहती है वैसे तो ज्यादातर शब्दों का अर्थ वही है, जो हजार साल पहले था, पर कुछ शब्द ऐसे हैं, जिनके अर्थ में बदलाव या विस्तार हुआ है। मेनिफेस्ट शब्द की ही चर्चा करें, तो इसका उल्लेख 600 साल पहले भी उपलब्ध था। एक रोचक तथ्य यह भी है कि 200 साल पहले इस शब्द का उपयोग अमेरिकी राजनीति में 'प्रकट नियति' के संदर्भ में किया गया था।

मेनिफेस्ट से ही जुड़ा शब्द मेनिफेस्टो है, जिसका अर्थ है - घोषणापत्र। घोषणापत्र शब्द का इस्तेमाल ज्यादातर देशों की सियासी पार्टियां करती हैं। खैर, शब्दों की दुनिया अद्भुत है और अंग्रेजी की लगभग एक रूपाता की वजह से कुछ अंग्रेजी शब्दों को शब्दों की सियासी पार्टियां करती हैं। उसे पढ़ने और देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ती ही रही है। वैसे तो दुनिया शब्दों के मामले में पहले की तुलना में लापत्ति हुई है, पर शब्दों की शुद्धता की चिंता कमों बेश हर देश समाज में पाई जाती है। इस साल कुछ नए शब्दों को भी डिक्शनरी में शामिल किया गया है। जैसे 'ब्राट' शब्द - एक ऐसा बच्चा, जो खराब व्यवहार करता है। डेम्यूर - शांत और व्यवहार कुशल। इसी तरह एक शब्द है - गोल्डलॉक्स - परिस्थिति विशेष के एक दम अनुकूल। एक नया उपयोगी शब्द डिक्शनरी में शामिल हुआ है - इकोटेरियन - ऐसा व्यक्ति जो सिफ़ वही चीज़ खाता है, जिससे पर्यावरण को कोई क्षति नहीं पहुंचती।

कैम्बिज की डिक्शनरी की तह ही ऑक्सफोर्ड की डिक्शनरी के संदर्भ में आगे देखें, तो ऑक्सफोर्ड की डिक्शनरी में हिंदी के शब्द ज्यादा सहजता से शामिल पाए जाते हैं। इधर, हिंदी का कोई नया शब्द अंग्रेजी डिक्शनरी में शामिल नहीं है। यह बात गैर करने की है कि इस साल अंग्रेजी के शब्दों का हिंदी में ज्यादा इस्तेमाल हुआ है। इस्तेमाल और समावेश में अंत है। आपराह्न पर हिंदी उत्तराखण्ड का जब अंग्रेजी का कोई शब्द लेते हैं, तो उस अंग्रेजी ही मानते हैं और शायद बोलचाल या बिड़त के दबाव में हिंदी वाली में अंग्रेजी शब्द ज्ञान के लिए रस रख दिए जाते हैं। किसी हिंदी शब्दों को हिंदी का बना लिया जाए। दूसरी ओर, अंग्रेजी डिक्शनरी में हिंदी शब्दों का समावेश सहज ही होता रहा है। अनेक शब्द हैं, जो अब अंग्रेजी में शामिल हैं - जंगल, उग, दादागिरी, जुगाड़, दोस्ताना, बिंदास, शारात, सब्र, दीदी, चमचा, चक्का जाम इत्यादि। शब्दों की दुनिया में एक भाषा से दूसरी में विकास और परस्पर आवाजाही सदैव स्वागतयोग्य है।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

क्षय रोग की समस्या

क्षय रोग की समस्या कितनी तात्कालिक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इस आवश्यक रोग से भारत में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख मौतें होती हैं। भारत की कैलेने के लिए क्षेत्रों पर रहते हैं और अपने कामकाज अच्छी तरह से करने में खुद को सक्षम पाते हैं। फिर, यहां का वातावरण जीवन के लिए अनुकूल भी है, मार अंतरिक्ष में कोई वातावरण नहीं होता है। वहां सास लेने के लिए ऑक्सीजन नहीं है। ऐसे कठिन वातावरण व मानव जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों वाले अंतरिक्ष में पहुंचकर वहां अनुसंधान करना वास्तव में एक अल्प महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे इन दिनों सुनीता विलियम्स अपने साथ के साथ उठाने रही है। अनेक सहायी वर्षावाले बिलमोरों के लिए यह अलग कारोबार बनता है। लेकिन यानि में तकनीकी खराकी के कारण उनकी वापसी की यात्रा आठ महीनों के लिए टाल दी जाती है। नासा को और से किलोलाल वहीं रही है कि उन्हें फरवरी 2025 में सेसेएस्क्रॉप्ट के क्रू अंतरिक्ष यान से वापस पृथक्कर लाया जा सकता है।

अंतरिक्ष में लंबे समय तक रुकना स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयुक्त नहीं होता। पिछले दिनों कुछ ऐसी तर्करिं भी सोशल मीडिया में वायरल हुई थीं, जिनमें सुनीता विलियम्स अपने वापसी के साथ उठाने रही हैं। उनमें यह वर्षावाले बिलमोरों की संख्या लगभग 25 लाख अनुमानीय गई है। राजनीतिक वर्षावाले ने यह रोग देखा है, जिसे देखा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में महत्व का स्थान देना होगा। चूंकि क्षय रोग समाज की उत्तरी हुई पौदी को विशेष रूप से अपना शिकार बनाता है, इसलिए राष्ट्र की हानि और भी अधिक होती है।

क्षय रोग का समाना करने के लिए इस समय देश में आवश्यक साधन सुलभ नहीं है। भारत की स्वास्थ्य मंत्रीयों ने बदले भी अंतरिक्ष में क्षय रोग की समस्या के बारे में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख मौतें होती हैं। भारत में इस रोग के कैलेने के लिए क्षेत्रों पर रहते हैं और बाहर की क्षय रोग के आक्रमण के शिकार होते हैं। क्षय रोग के सक्रिय रोगियों की संख्या लगभग 25 लाख अनुमानीय गई है। राजनीतिक वर्षावाले ने यह रोग देखा है, जिसे देखा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में महत्व का स्थान देना होगा। चूंकि क्षय रोग समाज की जाम इत्यादि। शब्दों की दुनिया में एक भाषा से दूसरी में विकास और परस्पर आवाजाही सदैव स्वागतयोग्य है।

किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि जब तक पर्यात आधिक

साधन सुलभ न हो, तब तक कुछ किया ही नहीं जा सकता।

क्षय रोग का समाना करने के लिए इस समय देश में आवश्यक साधन सुलभ नहीं है। भारत की स्वास्थ्य मंत्रीयों ने बदले भी अंतरिक्ष में क्षय रोग की समस्या के बारे में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख मौतें होती हैं। भारत में इस रोग के कैलेने के लिए क्षेत्रों पर रहते हैं और बाहर की क्षय रोग के आक्रमण के शिकार होते हैं। क्षय रोग के सक्रिय रोगियों की संख्या लगभग 25 लाख अनुमानीय गई है। राजनीतिक वर्षावाले ने यह रोग देखा है, जिसे देखा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में महत्व का स्थान देना होगा। चूंकि क्षय रोग समाज की जाम इत्यादि। शब्दों की दुनिया में एक भाषा से दूसरी में विकास और परस्पर आवाजाही सदैव स्वागतयोग्य है।

किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि जब तक पर्यात आधिक

साधन सुलभ न हो, तब तक कुछ किया ही नहीं जा सकता।

क्षय रोग का काम करने के लिए इस समय देश में आवश्यक साधन सुलभ नहीं है। भारत की स्वास्थ्य मंत्रीयों ने बदले भी अंतरिक्ष में क्षय रोग की समस्या के बारे में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख मौतें होती हैं। भारत में इस रोग के कैलेने के लिए क्षेत्रों पर रहते हैं और बाहर की क्षय रोग के आक्रमण के शिकार होते हैं। क्षय रोग के सक्रिय रोगियों की संख्या लगभग 25 लाख अनुमानीय गई है। राजनीतिक वर्षावाले ने यह रोग देखा है, जिसे देखा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में महत्व का स्थान देना होगा। चूंकि क्षय रोग समाज की जाम इत्यादि। शब्दों की दुनिया में एक भाषा से दूसरी में विकास और परस्पर आवाजाही सदैव स्वागतयोग्य है।

किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि जब तक पर्यात आधिक

साधन सुलभ न हो, तब तक कुछ किया ही नहीं जा सकता।

क्षय रोग का काम करने के लिए इस समय देश में आवश्यक साधन सुलभ नहीं है। भारत की स्वास्थ्य मंत्रीयों ने बदले भी अंतरिक्ष में क्षय रोग की समस्या के बारे में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख मौतें होती हैं। भारत में इस रोग के कैलेने के लिए क्षेत्रों पर रहते हैं और बाहर की क्षय रोग के आक्रमण के शिकार होते हैं। क्षय रोग के सक्रिय रोगियों की संख्या लगभग 25 लाख अनुमानीय गई है। राजनीतिक वर्षावाले ने यह रोग देखा है, जिसे देखा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में महत्व का स्थान देना होगा। चूंकि क्षय रोग समाज की जाम इत्यादि। शब्दों की दुनिया में एक भाषा से दूसरी में विकास और परस्पर आवाजाही सदैव स्वागतयोग्य है।

किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि जब तक पर्यात आधिक

साधन सुलभ न हो, तब तक कुछ किया ही नहीं जा सकता।

क्षय रोग का काम करने के लिए इस समय देश में आवश्यक साधन सुलभ नहीं है। भारत की स्वास्थ्य मंत्रीयों ने बदले भी अंतरिक्ष में क्षय रोग की समस्या के बारे में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख मौतें होती हैं। भारत में इस रोग के कैलेने के लिए क्षेत्रों पर रहते हैं और बाहर की क्षय रोग के आक्रमण के शिकार होते हैं। क्षय रोग के सक्रिय रोगियों की संख्या लगभग 25 लाख अनुमानीय गई है। राजनीतिक वर्षावाले ने यह रोग देखा है, जिसे देखा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में महत्व का स्थान देना होगा। चूंकि क्षय रोग समाज की जाम इत्यादि। शब्दों की दुनिया में एक भाषा से दूसरी में विकास और परस्पर आवाजाही सदैव स्वागतयोग्य है।

किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि जब तक पर्यात आधिक

साधन सुलभ न हो, तब तक कुछ किया ही नहीं जा सकता।

क्षय रोग का काम करने के लिए इस समय देश में आवश्यक साधन सुलभ नहीं ह

अपने सच से कितना दूर!

अक्सर लगता है कि दूसरों के बनाए, समझाए ढर्प पर चलते-चलते हम अपने सच से बहुत दूर निकल आए हैं। इतना दूर कि खुद से दूरी असहज कर देती है और अपना सच कहना मुश्किल लगता है। जो भी हो, अपने सच के करीब रहना ही हमें बंधन मुक्त कर सकता है, कोशिश तो करिए...

66 अपनी कहानियों को अस्वीकार करना हमारे स्वयं को परिलक्षित करता है। लेकिन उन्हें स्वीकार करने से हमें उनका अत अपनी इच्छानुसार रिखने का अवसर मिलता है। — ब्रेन ब्राइट

खूबसूरत जिंदगी



लॉरेन डंग्रेम
थ्रेपिस्ट और स्टेकार। विभिन्न डिसार्ट्स और उससे जुड़े सकौं, दर्द और आमहीनता के बोध विषय पर विशेषज्ञ।

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि आप किसी और की कहानी में महज एक किरदार हैं? या अपनी खुद को कहानी में आप पीड़ित हैं?

मैं ने अपने जीवन के कई साल इसी सोच में निकाल दिया। दूसरों की अपने बारे में राय को लेकर मैं इन्हाँ साची थी कि कभी अपने आप को लेकर सच्ची नहीं रह पाई। मैंने हमेशा वो किया, जो दूसरे चाहते थे। इससे मुझे दूरी साबित कर दिया, जिससे मुझे बेहद शर्मिंदा होना पड़ा। लेकिन, मुझे यह भी समझ आया कि मेरे अंतर्मन और बाहरी व्यक्तित्व के बीच कोई तालमेल नहीं है।

तब मैंने स्वयं से बाता किया कि कभी अपना सच नहीं छिपाऊँगी और धीरे-धीरे मेरी पीने की लात भी छूट गई। इस बदलाव ने मुझे स्वयं के प्रति इमानदार रहना और मेरेमां सही काम करना सिखाया। नीजीतन, मैं इन्हाँ खारा सच बोलने लगी कि लोग मेरी कहानी से असहज होने लगे। लेकिन, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने पाया कि समझाएं तो सभी के साथ हैं, लेकिन सच्चाई का मार्ग मेरे लिए एक बदलाव बन गया क्योंकि

थी। जब इस तरफ भैंसे दो दोस्तों का ध्यान गया तो मैंने राहत की सांस ली कि उन्हें मेरी परवाह है। तब मुझे लगता था कि मैंने अपने जीवन में सही संतुलन बना रखा है। दूसरा जाने के साथ-साथ मैं पूरा समय काम करती थी, दोस्तों से मिलती थी और एक नया रिश्ता भी बना लिया था। लेकिन, मेरे पीने की आदत के ऊपर किसी का हर्षण नहीं गया।

समय आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि आप किसी और की कहानी में महज एक किरदार हैं? या अपनी खुद को कहानी में आप पीड़ित हैं?

तब मैंने स्वयं से बाता किया कि कभी अपना सच नहीं छिपाऊँगी और धीरे-धीरे मेरी पीने की लात भी छूट गई। इस बदलाव ने मुझे स्वयं के प्रति इमानदार रहना और मेरेमां सही काम करना सिखाया। नीजीतन, मैं इन्हाँ खारा सच बोलने लगी कि लोग मेरी कहानी से असहज होने लगे। लेकिन, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने पाया कि समझाएं तो सभी के साथ हैं, लेकिन सच्चाई का मार्ग मेरे लिए एक बदलाव बन गया क्योंकि

इससे बाकी लोगों में भी अपना सच स्वीकारने का हीसला पैदा होने लगा। लोग मुझे अक्सर बाहर कहते हैं, जबकि सच यह है कि मैं ज़रूर बोलते-बोलते थक चुकी थी। मेरी चुप्पी मुझे मार रही थी इसलिए अब मैं सबके सामने अपने सच को स्वीकार रही थी।

जब मैंने सच बोलना शुरू किया तो मेरा जीवन आसान होने लगा, ब्योर्क मुझे कोई कहानी और तालाक हो गए। मैंने दोहरा जीवन जी रही थी, जहाँ एक तरफ दूसरों को तो ऐसे दोहरा दोहरी थी, वहाँ स्वयं को बमुश्किल संभाल पार रही थी। पहले मैं कभी-कभार ढिंक करती थी, पर अब मैं लत बढ़ा रही थी। मैंने अपनी आदत सुधारने का बहुत प्रयास किया, लेकिन कोई फल नहीं हुआ। अपने सच को छिपाने की आदत ने मुझे छूटा साबित कर दिया, जिससे मुझे बेहद शर्मिंदा होना पड़ा। लेकिन, मुझे यह भी समझ आया कि मेरे अंतर्मन और बाहरी व्यक्तित्व के बीच कोई तालमेल नहीं है।

तब मैंने स्वयं से बाता किया कि कभी अपना सच नहीं छिपाऊँगी और धीरे-धीरे मेरी पीने की लात भी छूट गई। इस बदलाव ने मुझे स्वयं के प्रति इमानदार रहना और मेरेमां सही काम करना सिखाया। नीजीतन, मैं इन्हाँ खारा सच बोलने लगी कि लोग मेरी कहानी से असहज होने लगे। लेकिन, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने पाया कि समझाएं तो सभी के साथ हैं, लेकिन सच्चाई का मार्ग मेरे लिए एक बदलाव बन गया क्योंकि

tinybuddha.com



प्रसन्नता की खोज

एक युवा भिखु प्रसन्नता की खोज में भटक रहा था। वर्षों बीत गए, पर कोई सूक्ष्म हाथ न लग पाया था। एक बार भिखु को पता चला कि किसी गांव में एक बुद्ध भिखारी रहता है, जो हमेशा प्रसन्न रहता है। उत्तर भिखु प्रसन्नता को गहरा जानने के लिए भिखारी के बहां पहुँचा।

भिखारी की कठिनी पर्याप्त भिखु ने देखा कि भिखारी के तन पर एक कपड़ा नहीं है, पर चेहरे पर संतुष्टि की चमक है। भिखु ने बुद्ध भिखारी का मस्तक झुकाकर अधिकादन किया। और अपने आने का काम करते बहां पहुँचा। कहा, 'कृपा, मुझे प्रसन्नता का रखना पड़ता है।' वह बुद्ध भिखारी हंसते हुए बोला, 'कैसी विदंबना है कि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो। जो बाहर हो उसे तो खो जाओगा।'

वह बुद्ध भीतर से दो फल लाया और वे उसने भिखु से बातें रखे। उसने कपड़ा से कहा, 'ये दो फल बड़े अनूठे हैं। यदि तुम यह पहला

फल खाओगे तो तुम प्रसन्नता के विषय में सब जान जाओगे, लेकिन यदि तुम यह दूसरा फल खाते हो तो तुम स्वयं प्रसन्न हो जाओगे। तुम इन दोनों फलों में से केवल एक ही फल खा सकते हो। पर हाथ लगाते ही दूसरा फल गायब हो जाएगा। अब चुनाव तुम्हारा है।'

भिखु एक क्षण को छिपाकर किया बोला, 'पहला फल चुनता हूँ, ब्योर्क पहले वह जानना जरूरी है कि प्रसन्नता क्या है। यदि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं होगा, तो मैं उसे खोज़गा कैसे?' उसे बारे में कभी नहीं जाना जाएगा।'

वह बुद्ध चुनता हूँ कि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो। जो बाहर हो उसे तो खो जाओगा। यदि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो, पर तुम जाहां हो कि प्रसन्नता क्या है, तो सब प्रसन्न रहो। तुम जहां भी हो, वो तर्मान क्षण ही प्रसन्न होने के लिए पर्याप्त काम है।'

फल खाओगे तो तुम प्रसन्नता के विषय में सब जान जाओगे, लेकिन यदि तुम यह दूसरा फल खाते हो तो तुम स्वयं प्रसन्न हो जाओगे। तुम इन दोनों फलों में से केवल एक ही फल खा सकते हो। पर हाथ लगाते ही दूसरा फल गायब हो जाएगा। अब चुनाव तुम्हारा है।'

भिखु एक क्षण को छिपाकर किया बोला, 'पहला फल चुनता हूँ, ब्योर्क पहले वह जानना जरूरी है कि प्रसन्नता क्या है। यदि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं होगा, तो मैं उसे खोज़गा कैसे?' उसे बारे में कभी नहीं जाना जाएगा।'

वह बुद्ध चुनता हूँ कि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो। जो बाहर हो उसे तो खो जाओगा। यदि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो, पर तुम जाहां हो कि प्रसन्नता क्या है, तो सब प्रसन्न रहो। तुम जहां भी हो, वो तर्मान क्षण ही प्रसन्न होने के लिए पर्याप्त काम है।'

भिखु एक क्षण को छिपाकर किया बोला, 'पहला फल चुनता हूँ, ब्योर्क पहले वह जानना जरूरी है कि प्रसन्नता क्या है। यदि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं होगा, तो मैं उसे खोज़गा कैसे?' उसे बारे में कभी नहीं जाना जाएगा।'

वह बुद्ध चुनता हूँ कि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो। जो बाहर हो उसे तो खो जाओगा। यदि तुम प्रसन्नता को खोज रहे हो, पर तुम जाहां हो कि प्रसन्नता क्या है, तो सब प्रसन्न रहो। तुम जहां भी हो, वो तर्मान क्षण ही प्रसन्न होने के लिए पर्याप्त काम है।'

भिखु एक क्षण को छिपाकर किया बोला, 'पहला फल चुनता हूँ, ब्योर्क पहले वह जानना जरूरी है कि प्रसन्नता क्या है। यदि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं होगा, तो मैं उसे खोज़गा कैसे?' उसे बारे में कभी नहीं जाना जाएगा।'

रोजनामया

वर्ग पहली : 7796



बाएं से दाएं
1. मिथिला का मिथिला संबंधी; मिथिला देश के राजा की कन्या। राजनी (3)
2. विवाद समाप्ति के लिए कठिनी बात; समाप्ति (3)
3. शरण; आश्रु; मायापूर रहेगा। बचाव स्थली (3)
4. सर्वाधिक मधुर; मधुर की उत्तमावस्था (5)
5. शरण; आश्रु; चापां द्वारा दालता है। दाल (2)
6. अविवाद समाप्ति के लिए कठिनी बात; समाप्ति (3)
7. सर्वाधिक मधुर; मधुर की उत्तमावस्था (5)
8. उच्च मार्ग; कागार; खेत की दूरबंदी; सिंचाई के लिए प्रयास की धराना (3)
9. सांप या घोड़ा से बचना। बचाव (2)
10. अविवाद समाप्ति के लिए कठिनी बात; समाप्ति (3)
11. रुक-रुक कर बोलना (4)
12. पुराणा विवाद समाप्ति के लिए कठिनी बात; समाप्ति (3)
13. रस देनेवाला; रसीला; रसयक्त (5)

16. उदय द्वीपा; बाहर आना (4)
17. कीमती पत्थर; रत्न; मणि; नग (3)

ऊपर से नीचे

- अख

महाराष्ट्र: मराठवाड़ा में बड़ा उलटफेर, विदर्भ में भाजपा की वापसी

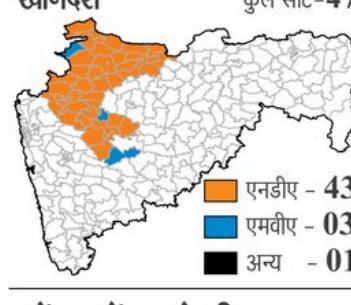
नई दिल्ली। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महायुति गठबंधन की भारी जीत ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है। इस बार पारंपरिक छह छह गए हैं भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अंजित पवार गुरु गठबंधन ने 288 में से 235 सीटें जीतीं और विपक्षी के सतारूढ़ महायुति गठबंधन ने 200 में से 150 सीटें जीतीं और विपक्षी गठबंधन महाराष्ट्र विकास अंडाझी (एमवीए) की कुल संख्या 50 रुक्खी है।

मराठवाड़ा में बड़ा उलटफेर: मराठवाड़ा में बड़ा उलटफेर हुआ है। महायुति गठबंधन ने छह महीने पहले ही आठ में से सात लोकसभा सीटें जीत दी थीं, लेकिन विधानसभा चुनावों में 46 सीटों में से 41 सीटें महायुति की ओर लौट गए।

शिवसेना ने 16 में से 13 और अंजित पवार की एनसीपी ने 9 में से 8 सीटें जीतीं। बदलाव की कहाँ वजहें हैं, जिनमें सबसे खास है मराठा आरक्षण का मूजा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारगे के आंदोलन ने लोकसभा चुनावों में महायुति को काफी नुकसान पहुंचाया था, लेकिन विधानसभा चुनावों में उनके कम होते प्रभाव ने गठबंधन को फायदा पहुंचाया।

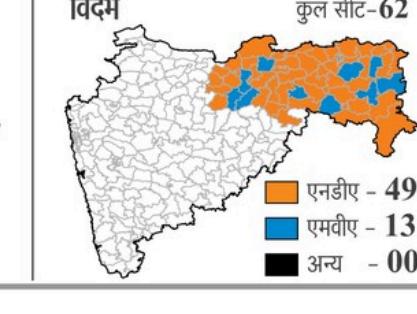
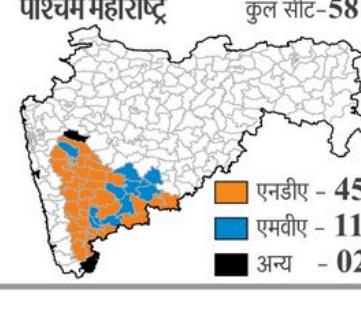
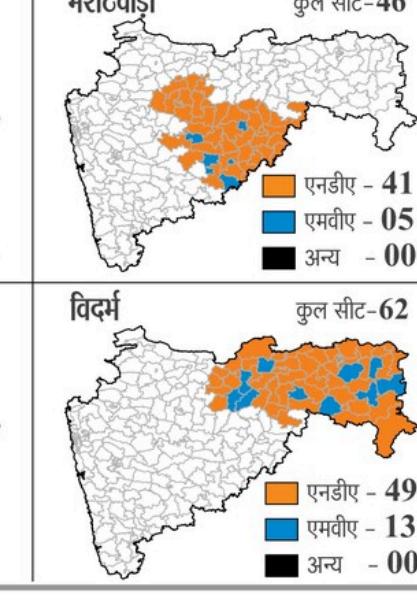
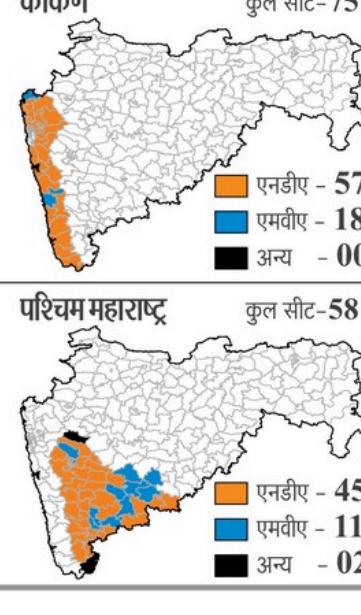
नांदेंद के राजनीतिक विलोपक संतोष कुलकर्णी ने कहा कि समूदाय के आखिरी समय में चुनाव लड़ने से पीछे हटने पर उनकी विश्वसनीयता को धक्का लाया और मराठा मतदाता होंगे, जबकि सतारूढ़ गठबंधन ने 35 सीटों पर कब्जा किया।

क्षेत्रवार क्या रही स्थिति



कॉंकण में टाकेर परिवार का पतन

कॉंकण बेल्ट और मुंगई महानगर क्षेत्र (एममआर) में टाकेर परिवार के दशकों पुराने प्रभुवत का पतन देखने को मिला। 39 सीटों में से उद्घव टाकेर के नेतृत्व वाली शिवसेना (युवीटी) सिर्फ एक सीट जीत पाई, जबकि सतारूढ़ गठबंधन ने 35 सीटों पर कब्जा किया।



उपचुनाव के नतीजों पर तकरार

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आते ही आरोपी-प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया है। सपा, बसपा में भाजपा के पक्ष में आए 7-2 के परिणाम ने विपक्ष की भूकुटियां तनवा दी हैं। समाजवादी पार्टी ने जहां भाजपा पर नई तरह की ईवीएम बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया है। वहीं बसपा ने कहा है कि सताधारी दल प्रशासन-शासन का दुरुपयोग कर धांधली करता है। ऐसे में भाजपा ने पलटवार करते हुए इसे विपक्ष की हताशा करार दिया है।

इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग हार स्वीकार नहीं कर पा से जीते: अखिलेश यादव

लखनऊ, विशेष संवाददाता। कुंदरकी में व्यापक धांधली का आरोप लगाते हुए सपा-बसपा में महायुति गठबंधन ने कहा है कि पूरे चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग कर भाजपा ने चुनाव जीता।



आमने-सामने



आमने-सामने

रहा विपक्ष: ब्रजेश पाटक

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उपचुनाव के बाद देखने की जीत नहीं। वहीं ब्रजेश पाटक ने उपचुनाव नीतियों के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बवानों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि उपचुनाव का नेतृत्व वाली शिवसेना (युवीटी) सिर्फ एक सीट जीत पाई, जबकि सतारूढ़ गठबंधन ने 35 सीटों पर कब्जा किया।

ब्रजेश पाटक ने उपचुनाव के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बवानों की जीत कर पायी है। ब्रजेश पाटक ने उपचुनाव के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बवानों की जीत कर पायी है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव से जनता को महायुति का विप्रतीकरण करते हैं।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश यादव की जुबान नहीं खुलती है। अखिलेश यादव द्वारा की जीत की जाती है।

केनेता दलित और ओवीसी महिलाओं के साथ अत्याचार करते हैं, तब अखिलेश य

अपना खेल

वेंकटेश ने चौंकाया, चाहल आईपीएल के सबसे महंगे भारतीय स्पिनर

मेगा नीलामी

जेहा (सउदी अरब), एजेंसी। भारतीय अंलाइन डेट वेंकटेश अच्यूतने आईपीएल के मेगा नीलामी में तीसरा सबसे महंगा खिलाड़ी बनकर चौंका दिया। उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्सने 23.75 करोड़ की भारी-भरकम राशि में खरीदा। इसके अलावा यु-वेंड्रो चाहल को पंजाब किसने 18 करोड़ रुपये में खरीदा। इसी के साथ वह आईपीएल के सबसे महंगे भारतीय स्पिनर बन गए।

वेंकटेश के लिए कोलकाता और बैंगलुरु रोल चैंपियनशिप के बीच 23.50 करोड़ तक बोली लगी थी। वेंकटेश इससे पहले भी कोलकाता में थे और पिछले आईपीएल के फाइनल में उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ अधिकारीक लगाकर कोलकाता को चैपियन बनाने में अहम भूमिका



ये खिलाड़ी भी बिके महंगे



पंत के लिए आरटीएम कार्ड काम नहीं आया

ऋण पंत के लिए जब बोली 20.75 करोड़ रुपये पर पहुंच गई तब दिल्ली के पिल्लिस ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया। मगर लखनऊ सुपरजायंट्स ने इसके बाद बोली को सीधे 27 करोड़ पहुंचा दिया जिसके बाद दिल्ली ने आरटीएम कार्ड को बापस ले लिया।

पहले दौर में नहीं बिके वॉर्नर

डेविड वॉर्नर, देवल पांडिकर, जॉनी बैयरस्टो जैसे खिलाड़ी पहले दौर में नहीं बिके। इसके अलावा अनकैप्प खिलाड़ी यश दुल और अनमोलीना सिंह को भी पहली बार में किसी ने खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।



23.75

करोड़ में बिके अच्यूत तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी

आरटीएम कार्ड क्या

जिन भी टीमों ने छह से कम खिलाड़ी रिटेन किए हैं, उन्हें नीलामी में राइट दू मैच यारी आरटीएम कार्ड मिलेगा। आरटीएम कार्ड से टीमें दल में शामिल पिछले खिलाड़ी को बापस अपने साथ रख पाएंगी। उदाहरण से समझो तो फ्रेजर मैक्यूर्क को नी करोड़ रुपये की बोली नाकार दिल्ली ने आपने पास ही रखा है। दूसरी टीमें उनके लिए नी करोड़ की बोली लाई थी मार्लिना ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया और इन्हीं ही रकम में उन्हें साथ रख लिया।

खेल 30s

नीतीश ने आशंकाएं दूर कर दीं: प्रसाद

विशाखापत्तनम। वर्षाकालीनों के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एम्प्रेसके प्रसाद का मानना है कि नीतीश कुमार रेडी की टी-20 प्रश्नों के आधार पर देर टीम में जाग बनाने को लेकर आशंकाएं थीं पर एक रुपये में उनकी कठिन बल्लेबाजी ने आलोचनों को तुरा करा दिया है। रेडी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-टॉप टॉप में घटी पारी में 41 और दूसरी में 10 रन बनाए। प्रसाद ने तीसरे दिन यीवांका का खेल खाल होने के बाद कहा, नीतीश कुमार रेडी की शनादार पदार्पण को दुख खुशी हो रही है। इन्हने उसे 12 साल की उमेर में घरवाना जब उसके पिता उसे बाल और यूथी नाबाद 44) और आंदे प्लेवर (27 गेंद, नाबाद 75) की पारियों से 9.1 ओवर में एक विकेट पर 14 रन बना लेव जीत लिया।



रिकॉर्ड लक्ष्य

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रनों का रिकॉर्ड लक्ष्य मिला है। लक्ष्य का पांच करोड़ रुपये पर पहुंच गई तब दिल्ली के पिल्लिस ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया। मगर लखनऊ सुपरजायंट्स ने इसके बाद बोली को सीधे 27 करोड़ पहुंचा दिया जिसके बाद दिल्ली ने आरटीएम कार्ड को बापस ले लिया।

रिकॉर्ड साझेदारी

यशरवाली और केएल राहन ऑस्ट्रेलिया में 200 रन की साझेदारी पूरी करने वाली फहली भारतीय सलामी जोड़ी बनी। उन्होंने 191 रन की पिछली सर्वश्रेष्ठ साझेदारी को पीछे छोड़ा जो 1986 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात विकेट पर 418 रन बनाकर जीत दर्ज की थी।

जय हो जायसवाल

■ जायसवाल ने ऊंचा टेस्ट शतक के शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभियान स्थीर कार रात्रीय स्टार बल्लेबाज विकेट कोहली। ● एजेंसी



पर्फ में रविवार को बॉर्डर-गावरकर सीरीज के पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभियान स्थीर कार रात्रीय स्टार बल्लेबाज विकेट कोहली। ● एजेंसी

पर्फ में पहले बचे समय में कपासन तेंडुलकर और विराट कोहली ने ऐतिहासिक शतक जड़े थे, रविवार को यशस्वी जायसवाल का नाम भी उनके साथ जुड़ गया। यशस्वी ने 161 रनों की पारी खेल बॉर्डर-गावरकर के पहले टेस्ट का तीसरा दिन बादार बना दिया। उसके बाद कर रात्सीमी विराट कोहली का जाड़ चला और उन्होंने अपना 30वां शतक (100*) जड़ा। जड़ सर डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया।

असंभव सा लक्ष्य: भारत ने अपनी दूसरी पारी 487/6 पर धोयित कर ऑस्ट्रेलिया के समाने 534 रनों का सांस ली ही थी कि दिन खत्म होते ही तो असंधारण गेंदबाजी कर रहे जसप्रीत बुमराह सामने खड़े हो गए। उन्होंने पहली ही ओवर में नाथन मैकस्ट्रीनी की बिना खाता खोले पाराबाध किया।

स्टंप से पहले बचे समय में कपासन टैप कमिस नाइटर्सचैम्पिन की गेंद पर किनारा लगाकर कर रात्रीय स्टार लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले 23 वर्षीय यशस्वी ने बत दिया कि वह टीम इंडिया का भविष्य है।

यश की रिकॉर्ड साझेदारी: इससे पहले 23 वर्षीय यशस्वी ने बत दिया कि वह टीम इंडिया का भविष्य है। उन्होंने 161 रन की पारी में 297 गेंद खेले और 15 चौके व तीन छक्के जड़े। उन्होंने लोकांश राहन (77) के साथ पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 201 रन पर जाने विकेट गंवा किया। तब तक ऑस्ट्रेलिया 12 रन पर जाने विकेट गंवा किया था।

संकट में कंगारू: गम हालात (36 डिग्री तापमान) में टीम इंडिया ने एक दूबदबा बनाया कि कंगारू पारी मांगते नजर आए। ऑस्ट्रेलिया के समाने

करिश्माई कोहली

रिकॉर्ड	कोहली	पारी	रिकॉर्ड	कोहली
शतक ऑस्ट्रेलिया	07	शतक ऑस्ट्रेलिया	150/10	शतक ऑस्ट्रेलिया
वार्षिक शतक जड़ा	07	वार्षिक शतक जड़ा	104/10	वार्षिक शतक जड़ा
वार्षिक शतक जड़ा	10	वार्षिक शतक जड़ा	48/6 (योगी)	वार्षिक शतक जड़ा

स्कोर बोर्ड

खिलाड़ी	पारी	रिकॉर्ड	खिलाड़ी	पारी
जॉन रेजान्डुड	150/10	जॉन रेजान्डुड	21-9-28-1	जॉन रेजान्डुड
एट कॉर्स	104/6	एट कॉर्स	25-5-86-1	एट कॉर्स
मिवेल बारी	48/6 (योगी)	मिवेल बारी	12-0-65-1	मिवेल बारी
बल्लेबाज	रन गेंद 4/6	बल्लेबाज	39-5-96-2	बल्लेबाज
यशराजी ब.	रियन ब.	यशराजी ब.	6.3-0-38-0	यशराजी ब.
सुल्तान	रुमाह	सुल्तान	5-0-26-0	सुल्तान
पैंडिंग	क.	पैंडिंग	25 71 2/0	पैंडिंग
विराट कोहली	रन गेंद 4/6	विराट कोहली	100 143 8/2	विराट कोहली
क्रेस्टर क.	रियन ब.	क्रेस्टर क.	00 04 0/0	क्रेस्टर क.
जूडी जूलियन	रुमाह	जूडी जूलियन	03 09 0/0	जूडी जूलियन
लालिका	रुमाह	लालिका	01 08 0/0	लालिका
लालिका	रुमाह	लालिका	02 08 0/0	लालिका
लालिका	रुमाह	लालिका	03 05 0/0	लालिका
अंतिरिक्त	4 रन विकेट पतन:	अंतिरिक्त	0/1, 2/9, 3/12	अंतिरिक्त
गेंदबाजी:	मिवेल बुमराह	गेंदबाजी:	2-	

अपना बिजनेस

अपनी Skin को दीजिये आयुर्वेदिक देखभाल

सिर्फ हल्दी, चंदन ही नहीं “रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम” में है एलोवेरा, द्राक्षा, तुलसी और मुलेठी जैसे अन्य 12 जड़ी-बूटियों का अद्वितीय संतुलित मिश्रण, जो आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है।

Clinically Tested

*For efficacy and safety.

24x7 Helpline: 87259 66666 • www.roopmantra.com



असर: सोने में रिकॉर्ड तेजी, पुराने देकर नए जेवर बनवा रहे लोग

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। शादियों के सीजन में मध्यवर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित, हल्के जेवर भी खरीद रहे ग्राहक हैं। जिनके बाद शादियों के बीच सोने की मिट्टों में रिकॉर्ड बढ़ोतारी का दौर जारी है। 24 कैटर सोने की कीमत 82 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच चुकी है। इसका असर उन परिवारों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है, जिनके बाद शादियाँ हैं। जानकारों का कहना है कि इस स्थिति में लोग अपने पुराने गहनों को पिघलाकर नए आधुनिक तेजर कराना या फिर हल्के बजन वाले जेवर को खरीदने जैसे विकल्पों को अपने रहे हैं।



लगातार बढ़ रहे दाम
बीते डेढ़ साल से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। जुलाई 2023 में इसका भाव 59 हजार रुपये था। इस साल जुलाई में भाव 74 हजार रुपये पहुंच गया। इस दौरान आम बजट में सकारा ने सोने पर आयत शुल्क घटा दिया, जिससे कीमतों में सात हजार रुपये की नरमी देखने को मिली थी। उस बत्त कीमतें 67,400 के बराबर तक आ गई थीं, लेकिन अगस्त के अंत से कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है।

तेजी कीमत 82 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार
एक प्राइवेट जेवरी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि देश भर के बड़े शहरों में हमारे शूरूम हैं, जिन पर अब पुराने जेवरी के बदले नई जेवरी खरीदने वाले ग्राहकों की सख्ती बढ़ गई है। व्यापक सोने की देशी है। इहांगई से बचने के लिए पुराने जेवरी को बदलना पसंद कर रहे हैं।

तेजी जारी रहने का अनुमान
सोने की कीमतों में बीते एक साल में सोने ने अपने निवेशकों को 33 फीसदी और चांदी ने 40 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। जानकारों का कहना है कि अगर तेजी का यह दौर आगे भी जारी रहता है तो जेवरी ही सात 90 हजार रुपये के अंकों को सूख सकता है। वहीं, आगे बढ़ावाली तक यह एक लाख रुपये के पार पहुंच सकता है। इसका कारण यह है कि सोना वर्ष 2016 से लगातार 67,400 के बराबर तक आ गई थी, लेकिन अगस्त के अंत से कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है।

तेजी के मुख्य कारण

- द्रुतियांभूत में तेजी से बढ़ा भू-राशीयांभूत का तनाव
- कई देशों के केंद्रीय बैंकों के द्वारा दरों में कटौती
- भारत समेत देशों ने अपना व्यापक सोने की देशी
- शीरंग बाजारों में गिरावट की आशंका सोने में निवेश बढ़ा
- चौहार और शादी के सीजन में जेवर्स ने खरीदारी बढ़ाई

भारत में सोने की स्थिति
800 टन के आसपास है प्रतिवर्ष सोने की मांग देश में
3.6 से 4.0 लाख करोड़ रुपये प्रतिवर्ष सोने की खरीद पर चर्चा
वर्ष 2020 में खप्ट - 445 (कौरोंसा के बाद लगातार बढ़ी खप्ट), भारतीयों के पास 80% सोना जीर्ण कर रहा है और सकारात्मक रुख बनाए हुए हैं।

गोल्ड लोन को मासिक किस्त से ही चुकाना होगा

निर्देश

पहले भी दी थी चेतावनी गोल्ड लोन का जारी एक सर्किल लोन देने वाली कंपनियों की चेतावनी थी थी। इसमें कहा गया था कि गोल्ड लोन की सरिंगा, मूर्छाकरन, नीलामी पारदर्शिता, एलटीवी और अनुपात की निगरानी और बैंकों को निर्देश दिया है कि अपने ग्राहकों को उत्तम चुकाने के लिए नए विकल्प पेश करें। नए नियमों के तहत कंपनियों को होम और ऑटो लोन की तरह ही गोल्ड लोन चुकाने के लिए मासिक किस्त (ईमआई) का विकल्प देना होगा।

रिजर्व बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों और बैंक ऋण लेने वाले ग्राहक की भुगतान क्षमता की जांच करें। केवल गिरवी रखे आधुनिकों पर ही नियर्ष नहीं रहें। इसके तहत बैंक और गोल्ड लोन कंपनियां उत्तरोत्तर देने वाली कंपनियों के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ यह बढ़ा रहा है।

एसें हो रहा भुगतान : फिलहाल, कंपनियों और बैंक ग्राहकों को बुलेट भुगतान का विकल्प देते हैं। इसके तहत उत्तरोत्तर देने वाली कंपनियों के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ यह बढ़ा रहा है।

अनुसार पुनर्भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा एक विकल्प यह रहता है कि उद्धरकर्ता जब चाहे अंशिक भुगतान कर दे। लेकिन आगे भी अपने आदेशों में तरीके पर चिंता जाहिर की है।

लगातार बढ़ रहा बाजार

यह निर्वेश हाल ही में बैंकों और एनबीएफसी में गोल्ड लोन प्रोडक्टिवियों में पर्याप्त वृद्धि के बाद आया है। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मात्राक अप्रूपों के बदले बैंकों की तरफ से जारी किए गए रिटेल लोन में 37% की वृद्धि हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों की तरफ से जारी किए गए रिपोर्ट के बाद लगातार बढ़ी खप्ट हुई है, जो कहा गया था कि वाली कंपनियों के साथ मेल खाता है।

निर्देश

गोल्ड लोन को मासिक किस्त (ईमआई)

किसी भी बैंक ने अपने आदेशों में कहा है कि गोल्ड लोन देन

